922. निम्न में से कौन सा दुर्ग 'गढ़ बीठली' के नाम से जाना जाता है?
(a) अचलगढ़ (b) सिवाणा गढ़
(c) तारागढ़ (d) मेहरानगढ़

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा -2018
Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

923. किलों के निम्नलिखित जोड़ों में से किसे तारागढ़ किलों के नाम से जाना जाता है-
(a) बून्दी एवं अजयमेरू दुर्ग
(b) अजयमेरू दुर्ग और भटनेर
(c) बून्दी एवं रणथम्भौर
(d) चित्तौड़गढ़ और कुम्भलगढ़

Librarian Exam Date-13.11.2016

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

924. शाहजहाँ के बेटे दाराशिकोह का जन्म राजस्थान के किस दुर्ग में हुआ-
(a) तारागढ़, दुर्ग, अजमेर
(b) तारागढ़, बूँदी
(c) मेहरानगढ़, जोधपुर
(d) सिवाणा दुर्ग, जालौर

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (a) – शाहजहाँ के बड़े बेटे दाराशिकोह का जन्म राजस्थान के अजमेर जिले में स्थित 'तारागढ़' के दुर्ग में हुआ था। शाहजहाँ ने इसे अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था किन्तु उत्तराधिकार के युद्ध में दाराशिकोह के भाई औरंगजेब ने उसकी हत्या कर दी।

925. चित्तौड़ गढ़ दुर्ग के संस्थापक कौन थे?
(a) चित्रांगद मोरी (b) जयंत चौहान
(c) सवाई जयसिंह (d) महाराजा रायसिंह

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (a) : चित्तौड़गढ़ दुर्ग के संस्थापक चित्रांगद मोरी थे जिन्होंने सातवीं शताब्दी में इस दुर्ग का निर्माण कराया था। चित्तौड़ के दुर्ग को 21 जून, 2013 में यूनेस्कों (UNESCO) द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया। चित्तोड़गढ़ दुर्ग के विजय स्तम्भ का वास्तुकार मंडन एवं जैता था। इस दुर्ग में गोरा बादल महल, नवलखा बुर्ज स्थित है। विजय स्तम्भ नौ मंजिला भवन है।

926. 'विजय स्तम्भ' के बारे में अधोलिखित कथनों को पढ़िए–
(i) यह नौ मंजिला स्तंभ है।
(ii) मण्डन इसका मुख्य वास्तुकार था।
सही कूट चुनिए–
(a) केवल (i) सही है
(b) केवल (ii) सही है
(c) न तो ना (i) ही (ii) सही है
(d) दोनों कथन सही हैं

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

927. चित्तौड़गढ़ दुर्ग के विजय स्तम्भ का वास्तुकार कौन था?
(a) मण्डन (b) जीवा
(c) जैता (d) दीपा

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-23.12.2019

Ans. (c) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

928. गोरा बादल महल और नवलखा बुर्ज कहाँ स्थित है?
(a) चित्तौड़गढ़ (b) कुम्भलगढ़
(c) जालौर दुर्ग (d) रणथम्भौर दुर्ग

कनिष्ठ अनुदेशक (कोपा) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

929. कौन-सा किला जौहर स्थल के लिए प्रसिद्ध है?
(a) चित्तौड़गढ़ (b) कुम्भलगढ़
(c) तारागढ़ (बूंदी) (d) गागरौण

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (a) – भारतीय इतिहास में 'जौहर-स्थल' के रूप में राजस्थान के चित्तौड़गढ़ किले (दुर्ग) को जाना जाता है क्योंकि इस किले में 1303 ई. में रानी पद्मावती, 1535 ई. में रानी कर्णावती तथा 1568 ई. में रानी फूलकँवर ने जौहर किये है जिनकी स्मृति में जौहर महल एवं मंदिर बनाया गया है।

930. निम्न में से किसका मूल नाम कोशवर्धन था?
(a) रामगढ़ (b) शेरगढ़
(c) भानगढ़ (d) मानगढ़

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (b) : शेरगढ़ किले को कोशवर्धन के नाम से जाना जाता था। शेरगढ़ किला अपने प्राचीन जैन और ब्राह्मण मंदिरों के लिए जाना जाता हैं। यह किला राजस्थान के बारां जिले की अटरू तहसील में स्थित है। शेरशाह सूरी ने किले का नाम कोशवर्धन रखा था। यह दुर्ग परवन नदी के किनारे स्थित है।

931. पंसारी की हवेली कहां स्थित है?
(a) डूंडलोद में (b) टोंक में
(c) चिड़ावा में (d) श्री माधोपुर में

RPSC Van Rakshat Exam 13.11.2020 Shift-II

Ans. (d) : पंसारी की हवेली श्री माधोपुर (सीकर) में स्थित है। सीकर की अन्य प्रमुख हवेलियों में केड़िया की हवेली, राठी की हवेली, जिजोड़िया हवेली, खेमका सेठों की हवेली आदि हैं। राजस्थान में हवेली स्थापत्य कला का विकास विशेषकर 17वीं-18वीं सदी में हुआ। राजस्थान के जैसलमेर को हवेलियों का शहर तथा बीकानेर को हजार हवेलियों का शहर कहा जाता है।

932. नाथूराम पोद्दार की हवेली, शेखावाटी में कहाँ स्थित है?
(a) नवलगढ़ (b) मण्डावा
(c) महनसर (d) बिसाऊ

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (d) : नाथूराम पोद्दार की हवेली राजस्थानी में झुंझुनू जिले के बिसाऊ में स्थित है। बिसाऊ में स्थित अन्य हवेली हीराराम बनारसी लाल की हवेली, जयदयाल केड़िया की हवेली, सीताराम सिगतिया की हवेली है।

933. चौरासी खम्भों की छतरी कहाँ स्थित है?
(a) करोली (b) जैसलमेर
(c) सिवाना (d) बूंदी

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (d) : चौरासी खम्भों की छतरी बूंदी में स्थित है। राजस्थान की संस्कृति समन्वयात्मक रही है। यहाँ राजा व श्रेष्ठी वर्ग सम्पन्न रहा है। ये लोग मरणोपरान्त अपने परिजन या प्रिय की याद में छतरियां या देवल बनवाते थे। यह स्मारक स्थापत्य कला की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।